जून 2025 अंक 3, खंड 9

PARIVARTAN
परिवर्तन

परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

कमाल के कैंप में बच्चों ने दी कमाल की प्रस्तुतियां

वर्ष में एक बार गर्मी के समय जब बच्चों का विद्यालय बंद हो जाता है तो बच्चों के पास पर्याप्त समय होता है जिसमें वे अपने मनपसंद की गतिविधियों में भाग ले सकते हैं एवं गर्मी की छुट्टी को यादगार बना सकते हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन द्वारा प्रत्येक वर्ष समर कैंप का आयोजन करने का प्रयास किया जाता है। यह कैंप, गर्मियों के दौरान सिर्फ मौज मस्ती करने से कहीं ज्यादा जरुरी होता है। यह बच्चों को आगे बढ़ने, नई चीजें को सीखने, दोस्त बनाने और पर्यावरण की देखभाल करने के महत्त्व को समझने में मदद करता है। यह कैंप बच्चों के लिए हीं नहीं बल्कि उनके अभिभावकों के लिए भी रोमांचकारी स्थान बन जाता है। अलग अलग बच्चों के साथ एक नए परिवेश में रहने से बच्चों को नई चीजें पता लगाने का मौका मिलता है। उन्हें यह भी पता चलता है कि दूसरों के साथ मिलकर काम करना कितना शानदार होता है। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी पुनः दिनांक 16-21 जून 2025 को परिवर्तन द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर कमाल का कैंप –समर कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर

में परिवर्तन कार्यक्षेत्र के कुल 8 पंचायतों के 36 गाँवों से लगभग 600 बच्चों ने भाग लिया। इस शिविर में भाग लेने हेतु रूचि रखने वाले बच्चों ने सबसे पहले अपना पंजीकरण करवाया उसके बाद उनकी रूचि अनुसार उन्हें विभिन्न गतिविधियों में बाँटा गया। इस शिविर को सफल बनाने एवं प्रशिक्षण देने हेतु दिल्ली पब्लिक स्कूल पटना के शिक्षकों को आमंत्रित किया गया।

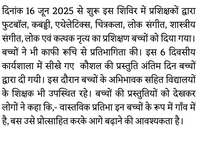

दिनांक 16 जून 2025 से शुरू इस शिविर में प्रशिक्षकों द्वारा फुटबॉल, कबड्डी, एथेलेटिक्स, चित्रकला, लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत, लोक एवं कत्थक नृत्य का प्रशिक्षण बच्चों को दिया गया। बच्चों ने भी काफी रूचि से प्रतिभागिता की। इस 6 दिवसीय कार्यशाला में सीखे गए कौशल की प्रस्तुति अंतिम दिन बच्चों द्वारा दी गयी। इस दौरान बच्चों के अभिभावक सहित विद्यालयों के शिक्षक भी उपस्थित रहे। बच्चों की प्रस्तुतियों को देखकर लोगों ने कहा कि,- वास्तविक प्रतिभा इन बच्चों के रूप में गाँव में है, बस उसे प्रोत्साहित करके आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

नयी गतिविधियों को अपना रही हैं सेविकाएँ

परिवर्तन शिक्षा इकाई की उप इकाई बालघर आँगन द्वारा कार्यक्षेत्र के प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र को एक आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र बनाने एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर उपलब्ध सामग्री के सही उपयोग एवं बच्चों के साथ नित नयी-नयी गतिविधि को आयोजित करने हेतु प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए परिवर्तन सहित आंगनबाड़ी केंद्र पर भी कई तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। दिनांक 24 जून 2025 को ग्राम बंथू सलोना आंगनबाड़ी केंद्र पर गुनगुन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में दो केंद्रों की सेविकाओं एवम सहायिकाओं को शामिल किया गया ताकि उन्हें भी कई नयी एवं रोचक गतिविधियां सिखाई जा सकें। कार्यशाला के दौरान सबसे पहले प्रार्थना, व्यायाम, बालगीत, कविता, कहानी एवं पेंटिंग इत्यादि को गतिविधि के माध्यम से करके दिखाया गया एवं सेविकाओं एवं सहायिकाओं को सिखाया गया। इस कार्यशाला में कुल 45 बच्चे, 2 सेविकाओं एवं सहायिकाओं ने भाग लिया। कार्यशाला के उपरांत सिखाई गयी गतिविधियों को बच्चों के साथ करने का निवेदन भी सेविकाओं को किया गया। सेविकाओं ने भी सीखी गयी सभी गतिविधियों को अपने केंद्र पर बच्चों के साथ आयोजित करने की बात कही।

खेती में आधुनिक सोच एवं तकनीक अपनाकर हम अपने खर्च कम कर सकते हैं

बदलते मौसम के अनुकूल बेहतर एवं उन्नत कृषि हेतु सुझाव एवं सलाह देने का काम परिवर्तन द्वारा लगातार किया जाता रहा है। साथ ही साथ कृषि को फायदे का व्यवसाय कैसे बनाया जाए और खेती से नयी पीढ़ी को जोड़ने का हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, बदलते मौसम में किसानों को जलवायु के अनुकूल कृषि प्रथाओं को आगे बढ़ाते हुए किसानों के बीच लोकप्रिय बनाने के लिए परिवर्तन संस्था की कृषि टीम द्वारा किसानों के खेत पर रेज्ड प्लान्टर बुआई मशीनों का प्रदर्शन कराया गया। इस मशीन से बोई गयी फसलों में खरपतवार, दवाएं व् उर्वरक डालने के लिए पर्याप्त जगह मिल जाती है जिससे फसल की पैदावार में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़त होती है। इस बुआई तकनीक से किसान की लागत में कमी आती है एवं उत्पादन में भी इजाफा होता है।

पारंपरिक लोक संगीत परंपरा को जीवित रखने का एक प्रयास

दिनांक 29 जून 2025 को ग्राम बंथू श्रीराम में विश्व संगीत दिवस का उत्सव मनाया गया। हालाँकि विश्व संगीत दिवस का उत्सव 21 जून 2025 को मनाया जाता है लेकिन अत्यधिक बारिश होने के कारण तिथि आगे बढ़ाने पड़ी एवं उसी उपलक्ष्य में इसे दिनांक 29 जून 2025 को कर दिया गया ।

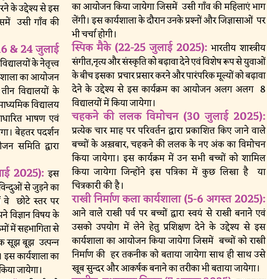

विश्व के सभी देशों में इस संगीत दिवस का आयोजन होता है और परिवर्तन की इकाई सामुदायिक रंगमंच भी समुदाय के साथ मिलकर इसका आयोजन समुदाय में ही करता है। हमारे आसपास के परिवेश में जो कुछ भी संगीत शैलियाँ बची हैं या जो लुप्त प्राय हैं उसे संजोने को प्रेरित करने का यह दिवस अच्छा अवसर

देता है। दिन प्रतिदिन हम लोक संस्कृति और लोक गीतों को भूलते जा रहे हैं आवश्यकता है कि गांव स्तर पर इस तरह के आयोजन किये जाएं और ग्रामीण कलाकारों को एक मंच पर इकठ्ठा कर लुप्त होते गीत संगीत पर चर्चा की जाए। इस कार्यक्रम में न सिर्फ बंथू श्रीराम बल्कि भवराजपुर, संथू, बड़हुलिया, बेल्ही के लोक कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। ग्रामीणों के सहयोग से यह कार्यक्रम सफल रहा और अपने लोक संगीत को संजोने को आम जन प्रेरित हुए ।

रोड साइक्लिंग प्रतियोगिता में परिवर्तन की प्रतिभागिता

खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाले खिलाड़ियों के कौशल विकास हेतु परिवर्तन लगातार प्रयास करता आ रहा है। समय समय पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है और खिलाड़ियों को बाहरी मैच खेलने के लिए भेजा जाता है। मैच के परिणाम से पता चलता है कि खिलाड़ियों का कौशल विकास कैसा हो रहा है एवं आगे उनमें और क्या ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त प्रखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर होने वाली विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागिता का अवसर दिया जाता है। इसी कड़ी में दिनांक 28-29 जून 2025 को बिहार साइक्लिंग संघ एवं समस्तीपुर जिला साइक्लिंग संघ द्वारा प्रथम स्टेट यूथ साइक्लिंग चैम्पियनशिप का आयोजन,- पूसा समस्तीपुर में किया गया। इस आयोजन में 15 जिलों के जुड़े साइक्लिस्टों ने भाग लिया। परिवर्तन की तरफ से बिट्टू कुमार, अनूप कुमार, सोनाली कुमारी ने भाग लिया। एकल ट्रायल रेस में सोनाली कुमारी को छठा स्थान, अनूप कुमार को 11 वां स्थान एवं बिट्टू कुमार को 15 वां स्थान प्राप्त हुआ। इन सभी प्रतिभागियों में इन्डियन साइकिल से यह स्थान प्राप्त किए। दिनांक 29 जून 2025 को समूह रोड साइकिल रेस आयोजित हुई जिसमें सलोनी कुमारी जो ग्राम फुलवरिया की रहने वाली हैं ने तीसरा स्थान प्राप्त करके कांस्य मैडल हासिल किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करके सभी प्रतिभागी एक नई उर्जा के साथ परिवर्तन लौटे हैं। इनका मानना है कि इस प्रतियोगिता ने इन्हें आगे और बेहतर तरीके से मेहनत करने एवं तैयारी करके बड़ी उपलब्धि को प्राप्त करने हेतु प्रोत्साहित किया है। जल्द ही यह लोग अपनी मेहनत के दम पर गोल्ड मैडल हासिल करके गाँव एवं जिला जवार का नाम रौशन करेंगे।

मोटे अनाज की खेती अपना रही हैं महिला कृषक

जागृति महिला समाख्या से जुड़ी महिलाओं विशेषकर अनुसूचित जाती एवम महिलाओं को कृषि के माध्यम से उनकी आजीविका और पोषण की आवश्यकता की पूर्ति के लिए जागृति महिला समाख्या और हरियाली कृषि ज्ञान केंद्र समन्वित प्रयास कर रहे हैं। इसके अंतर्गत महिलाओं को मोटे अनाज के बीज जैसे मडुआ और उतम कोटि के नव उन्नत धान के बीजों को उपलब्ध कराया गया। हमारे समन्वित प्रयास से न केवल मोटे अनाज की खेती करने को लेकर महिलाओं का रुझान बढ़ रहा है और वह इसे अपना रही हैं बल्कि इसी तरह धान की अलग-अलग प्रजातियों को महिलायेँ कम लागत और कम समय में प्राप्त करने का विकल्प पाकर उसकी खेती करने की ओर लगातार अग्रसर हो रही हैं। इस बार हमने जागृति महिला समाख्या की सहयोगिनी की मदद से 95 महिलाओं को मडुआ का बीज और 405 महिलाओं को धान का बीज उपलब्ध कराया। हमारा प्रयास है कि हमारी टीम, फसल की उगाई की विभिन्न अवस्था में ना केवल उन खेतों का मुआयना करे जहाँ यह फसल लगाई है बल्कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी ,-जैसे फसलों में कीटों का प्रभाव आदि दिखे तो वह उसे हरियाली ज्ञान केंद्र को त्वरित तरीके से सूचित कर सकें जिससे फसल की सेहत को सुधारा जा सके।

जुलाई एवं अगस्त माह के प्रमुख कार्यक्रम

ग्राम स्तरीय किशोरी कार्यशाला (15 जुलाई 2025): ग्राम स्तर पर जागृति महिला समाख्या से जुड़ी किशोरियों को उनके स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें उसी गाँव की किशोरियां भाग लेंगी।

नेतृत्त्व विषयक संवाद प्रतियोगिता (16 & 24 जुलाई 2025): परिवर्तन से जुड़े रहे अलग-अलग विद्यालयों के नेतृत्त्व कौशल प्राप्त कर रहे बच्चों के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला के दौरान तीन विद्यालयों के बच्चों को माध्यमिक विद्यालय नरेन्द्रपुर एवं माध्यमिक विद्यालय बलईपुर में इकट्ठा कर, दिए गए विषय आधारित भाषण एवं अपनी सोच को रखने का मौका दिया जायेगा। बेहतर पदर्शन करने वाले विद्यालय एवं बच्चों को आयोजन समिति द्वारा प्रोत्साहित किया जायेगा।

परिवर्तन विज्ञान कांग्रेस (18-19 जुलाई 2025): इस कार्यशाला के माध्यम से बच्चों को विज्ञान के विन्दुओं से जुड़ने का एक ऐसा मंच उपलब्ध कराया जाएगा जहाँ वे छोटे स्तर पर अनुसंधानात्मक गतिविधियों से जुड़ते हए अपने विज्ञान विषय के सोच में विस्तार कर पायेंगे साथ हीं ऐसे कार्यक्रमों में सहभागिता से उनमें अनेक मंचों पर विज्ञान के प्रतिस्पर्धात्मक सूझ बूझ उत्पन्न करने का अवसर एवं समझ भी उत्पन्न करेगा। इस कार्यशाला का आयोजन कुल 21 विद्यालय के बच्चों के साथ किया जायेगा।

दोस्ताना फुटबॉल मैच (20 जुलाई 2025): परिवर्तन से जुड़े फुटबॉल के खिलाड़ियों के अन्दर हो रहे नियमित कौशल विकास को देखने एवं अन्य टीम के खिलाडियों के कौशल को दिखाने एवं समझाने के उद्देश्य से दोस्ताना फुटबॉल मैच का आयोजन किया जायेगा।

ग्राम स्तरीय महिला सशक्तिकरण कार्यशाला (22 जुलाई 2025): ग्राम स्तर पर जागृति महिला समाख्या से जुड़ी महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा, आर्थिक मजबूती एवं पंचायती राज के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें उसी गाँव की महिलाएं भाग लेंगी। इस कार्यशाला के दौरान उनके प्रश्नों और जिज्ञासाओं पर भी चर्चा होगी।

स्पिक मैके (22-25 जुलाई 2025): भारतीय शास्त्रीय संगीत,नृत्य और संस्कृति को बढ़ावा देने एवं विशेष रूप से युवाओं के बीच इसका प्रचार प्रसार करने और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन अलग अलग 8 विद्यालयों में किया जायेगा।

चहकने की ललक विमोचन (30 जुलाई 2025): प्रत्येक चार माह पर परिवर्तन द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले बच्चों के अख़बार, चहकने की ललक के नए अंक का विमोचन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में उन सभी बच्चों को शामिल किया जायेगा जिन्होंने इस पत्रिका में कुछ लिखा है या चित्रकारी की है।

राखी निर्माण कला कार्यशाला (5-6 अगस्त 2025): आने वाले राखी पर्व पर बच्चों द्वारा स्वयं से राखी बनाने एवं उसको उपयोग में लेने हेतु प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा जिसमें बच्चों को राखी निर्माण की हर तकनीक को बताया जायेगा साथ ही साथ उसे खूब सुन्दर और आकर्षक बनाने का तरीका भी बताया जायेगा।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस (7 अगस्त 2025): हथकरघा एवं हस्त निर्मित वस्त्रों को बढ़ावा देने साथ ही साथ इस विधा से जुड़े कारीगरों को प्रोत्साहित करने एवं उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला के दौरान परिवर्तन के सिलाई, बुनाई से जुड़े कारीगरों को शामिल किया जायेगा एवं विभिन्न तरह से उन्हें एवं उनके मनोबल को बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा।